बी॰ए॰ तृतीय वर्ष
तृतीय प्रश्न पत्र

— डॉ॰कृपा शंकर पाठक

राष्ट्रीय शक्ति के तत्व :—

2. प्राकृतिक संसाधन (Natural Resources)

→ प्राकृतिक साधन किसी भी राष्ट्र की पूँजी कहे जा सकते हैं। प्राकृतिक संसाधन प्रकृति द्वारा प्रदत्त उपहार हैं।

— कच्चे माल, खनिज पदार्थ, औद्योगिक शक्ति के साधन, खाद्य पदार्थ तथा कृषि उत्पादन को प्राकृतिक संसाधन कहा जाता है। (पाम एवं पार्किन्स)

— मार्गेन्थाऊ ने प्राकृतिक स्रोतों को खाद्यान्न और कच्चे माल कहकर पुकारा है।

(i) खाद्य सामग्री :— जो राष्ट्र खाद्य सामग्री में स्वावलम्बी है वह लाभपूर्ण एवं मजबूत स्थिति में होता है।

— अन्न के मामले में आत्म निर्भर के कारण अमेरिका की स्थिति मजबूत है।

— ब्रिटेन अन्न के मामले में आत्म निर्भर नहीं है।

— अफ्रीका एवं मध्य एशिया के देश अन्न के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर करते हैं।

(ii) कच्चा माल :— पैडलफोर्ड एवं लिंकन के अनुसार — आधुनिक युग में औद्योगिकरण के बिना राष्ट्रीय शक्ति प्राप्त करना असम्भव है। औद्योगिकरण कच्चे माल विशेषतः खनिज पदार्थों की प्राप्ति पर निर्भर करता है।

— कोयला, पेट्रोल, लोहा, यूरेनियम, प्राकृतिक गैस प्रमुख प्राकृतिक धातुएं हैं। जो राष्ट्र इन साधनों में आत्मनिर्भर है वह निर्णायक भूमिका में रहता है।

— अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी, ब्रिटेन, भारत कोयला ऊर्जा एवं अन्य मामले में समृद्ध देश हैं। मध्य एशिया के देश तेल के मामले में समृद्ध हैं।

— 'तेल की कूटनीति' मध्यपूर्व के देशों के तेल कुओं एवं प्रचुरता के कारण प्रचलन में आया। सऊदी अरब, ईरान, इराक, कुवैत, आदि देश OPEC के हैं।

— तकनीकी विकास के कारण कई देश सौर ऊर्जा का भी उपयोग करने लगे हैं।

→ अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में वही राष्ट्र प्रभावशाली है जिनके खनिज पदार्थों का मात्रात्मक एवं गुणात्मक स्तर ऊंचा होता है।